

# DEEBALI

## WALL MAGAZINE

[2024-2025 (III)]



**Dev Sangha Institute of Professional Studies  
and Educational Research**  
Dev Sangha, Bompas Town, Deoghar, Jharkhand- 814114

GYANI

DARPA



# Editorial Team

Dr. Babita Kumari

Dr. Amit Bhattacharya

Usha Mishra

Babbar Singh

Subheshwar Jha

Kumud Ramjan Jha

Anuja Kumari



# ज्ञानदर्पण संपादकीय

समाज संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में "ज्ञानदर्पण" एक ऐसा मंच है जो न केवल विचारों का आदान-प्रदान करता है, बल्कि प्रगतिशील सोच को बढ़ावा देने का कार्य भी करता है। वर्तमान समय में जब सुचनाओं का अतिरेक है, यह आवश्यक हो जाता है कि हम सार्थक और ज्ञानवर्धक विषयों पर चर्चा करें।

आज का युग तकनीकी और वैश्विकता का है लेकिन इसके साथ ही हमें अपनी संस्कृति और मानवीय मूल्यों को भी संभालने की आवश्यकता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार अलब्ध कराना नहीं है बल्कि एक संवेदनशील और जागरूक समाज का निर्माण करना है। इसके लिए हमें न केवल वर्तमान की चुनौतियों का सामना करना होगा बल्कि भविष्य के लिए भी खुद को तैयार करना होगा।

हमें यह समझना होगा कि बदलाव एक सामूहिक प्रयास है। व्यक्तिगत सोच से लेकर सामूहिक चेतना तक, हर स्तर पर कार्य करना होगा। आज जब दुनिया अनेक चुनौतियों से भुझ रही है, तब यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम एक बेहतर कल के निर्माण में अपना योगदान दें।

"ज्ञानदर्पण" आपकी भावाज़ है, जहां विचारों का संगम होता है और नई दिशाएं उत्पन्न होती हैं। आइए हम सब मिलकर इसे और अधिक प्रभावशाली बनाएँ। आपकी राय सुझाव और विचार हमारे लिए प्रेरणा है।

## ज्ञान समावेश

अगला संस्करण...





आत्मदीपो भव।  
(स्वयं अपने दीपक बनो)  
★

B.ED SEM-I-D  
SONAM KUMARI  
ROLL No:-180  
2024-26

ज्ञान दर्पण

सूरज की वस एक किरण से  
जीवन में विश्वास मिले  
लाखों जन में जागे आशा  
और सबमें उत्साह भरे।

Tyoti Kumari  
Roll - 90  
Sec - B

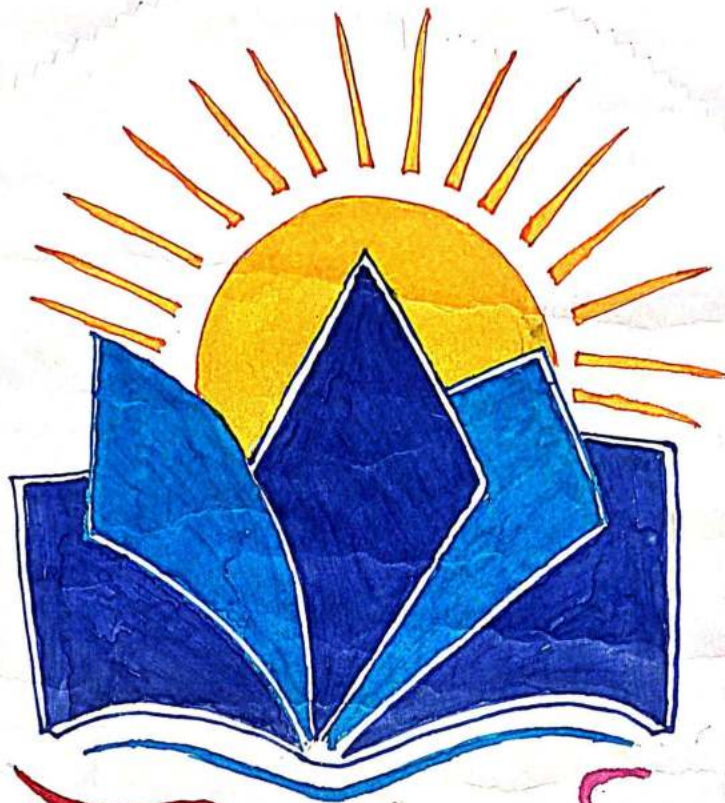
दर्पण जब चेहरे का दाग दिखाता है,  
तब हम दर्पण नहीं तोड़ते, बल्कि  
दाग साफ करते हैं!

उसी प्रकार, हमारी कमी बताने  
वाले पर क्रोध करने के बजाय  
अपनी कमी को दूर करना  
चाहिए

न की कमी बताने वाले से  
रिश्ता तोड़ना चाहिए

Ranu Kumari  
B.ED. Sem I  
Sec. 'C'





# ज्ञान दर्पण

Name Anamika Hembram

Sec A B.Ed. 2024-25

Roll no - 25

जीवन का वास्तविक उद्देश्य अपने खुद की पथ पाना है और किसी दूसरे का अनुसरण नहीं करना है ।



कोई भी दौड़ के लिए दौड़ना जरूरी नहीं होता, छोटे-छोटे कदम महत्वपूर्ण होते हैं । क्योंकि छोटे-छोटे कदम से दौड़ पूरी होती है, वैसे ही छोटे-छोटे कदम से हम भी अपनी जीवन में बड़ा बदलाव और उपलब्धि पा सकते हैं ।

Name - Bharti Kumari Das

Class - B.Ed. (Sec A)

Roll No. 45

2024-25

Name - Bharti Murmu

Roll no - 39

Section - A, 2024-25



66 (জ্ঞান দর্পন) ১১

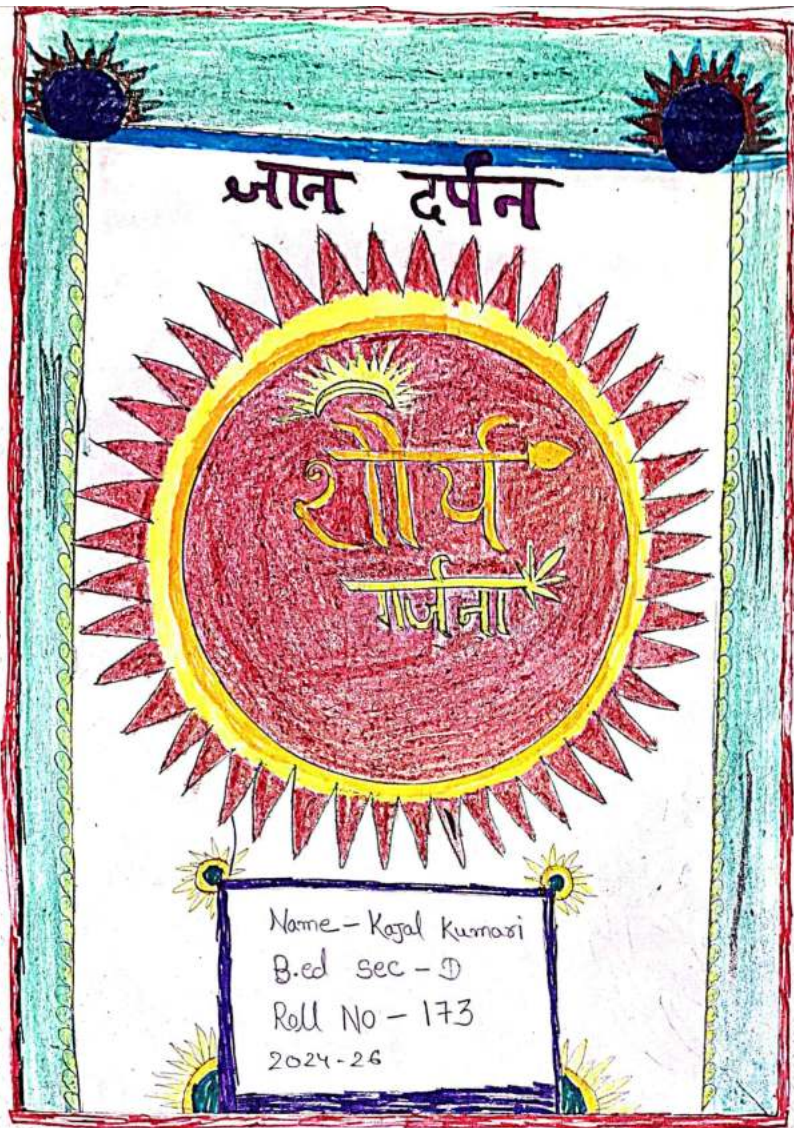
জ্ঞানদর্পনে চলে দেখি বুঝা,  
জড়িত আলক বুঝা লুকা,  
উল্কাবের কোন জালা খুঁজি,  
জীবনের বুঝা বুঝা চাই ॥

পড়ি পড়ি পড়ি জ্ঞানক  
জানি না কেন কন খালি,  
জ্ঞানের আগার ডুব খাই,  
বুঝ বুঝা মিটে না কেন ?

সত্যের জড়িত জ্বলে জাগর,  
জ্ঞানের জালোয় পুড়ি খাই,  
জড়িত পাখি চলি,  
নিজের খুঁজি খাই ॥

জ্ঞানর জড়িত জাগর খুঁজি,  
জ্ঞানের আগার ডুব খাই,  
জ্ঞান জালোয় জালোয়িত হই,  
জীবনের বুঝা বুঝা চাই ॥

NAME- বসুবি  
CLASS- বি.এড. Sem-III  
ROLL NO. 60 (B) 2024-26



MANISHA KUMARI  
B-Ed (2024-26)  
SEC - C  
ROLL NO - 103



# ज्ञान दर्पण



Name-  
Pragati Kumari  
Roll No- 04'A'  
B.Ed Sem 1  
2024-26







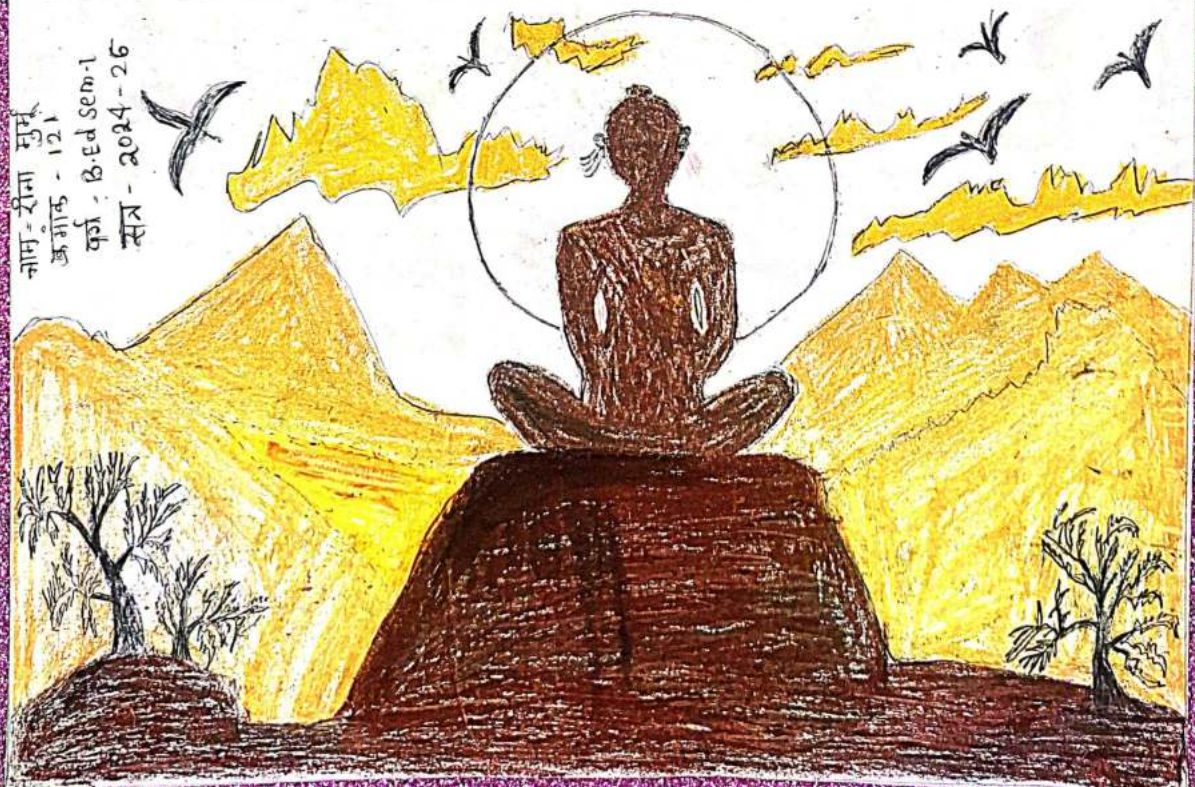
Name:-Chandani Pandey

Roll No - 128

Sec-'C'

Session - 2024-26

नाम - रीना सुर्मा  
क्रमांक - 121  
कक्षा - B.Ed Sem-1  
सत्र - 2024-26





## ज्ञान दपण

हर मौड़ पर चुनना पड़ता है ,  
जीवन में कठिनाई को ।

आसान नहीं होता चलना उसपर  
जिस राह पर बहुत दुस्वारी है।

कदम-कदम पे तनकसैंगे ये दुनियावाले  
इनसे ना घबराना, रहना तुम अपने हींसले  
को संभाले ।

उम्मीद लगाये बैठेंगे वे तुम्हारी असफलताओं का ,  
कीशिश होगी गला दबा दे ,  
तुम्हारे ऊँचे अरमानों का ।

पर थाढ़ रखो तुम हर पल के अंतिम  
उद्देश्य तुम्हारा क्या है ।

रुक बार जो निश्चय कर ली तो फिर  
सौचना दोबारा क्या है ।

यूँ ही निरंतर चलना है कुछ और समय तक  
चलना है ।

इस असफलता के चाँद को भी फिर आखिर  
निश्चय ढालना है ।



Name - Radha Rani Das

Roll No - 97

Sec - B

2024-26



Name Nicky kumari  
Class - B.ED  
Roll - 200  
Sem - I D  
2024-26



# सामान्य ज्ञान दर्पण



Name - Prati Poonam  
Hembrom  
Roll no - 24  
class - B.Ed Sem-1  
Section - 'A' 2024-26

## ज्ञान दर्पण

इसका अर्थ है कि जैसे दर्पण में हम अपना चेहरा देख सकते हैं वैसे ही ज्ञान हमें अपने भीतर और हमारे आस-पास की दुनिया को समझने की क्षमता प्रदान करता है।

यह फिचर यह भी जताता है कि ज्ञान न केवल बाहरी दुनिया को समझने का साधन है, बल्कि यह हमारे आंतरिक संसार को भी स्पष्ट करता है।

इस प्रकार "ज्ञान का दर्पण" एक प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है जो हमें यह थप दिलाती है कि ज्ञान हमारी सोच और दृष्टिकोण को साफ और स्पष्ट करता है।

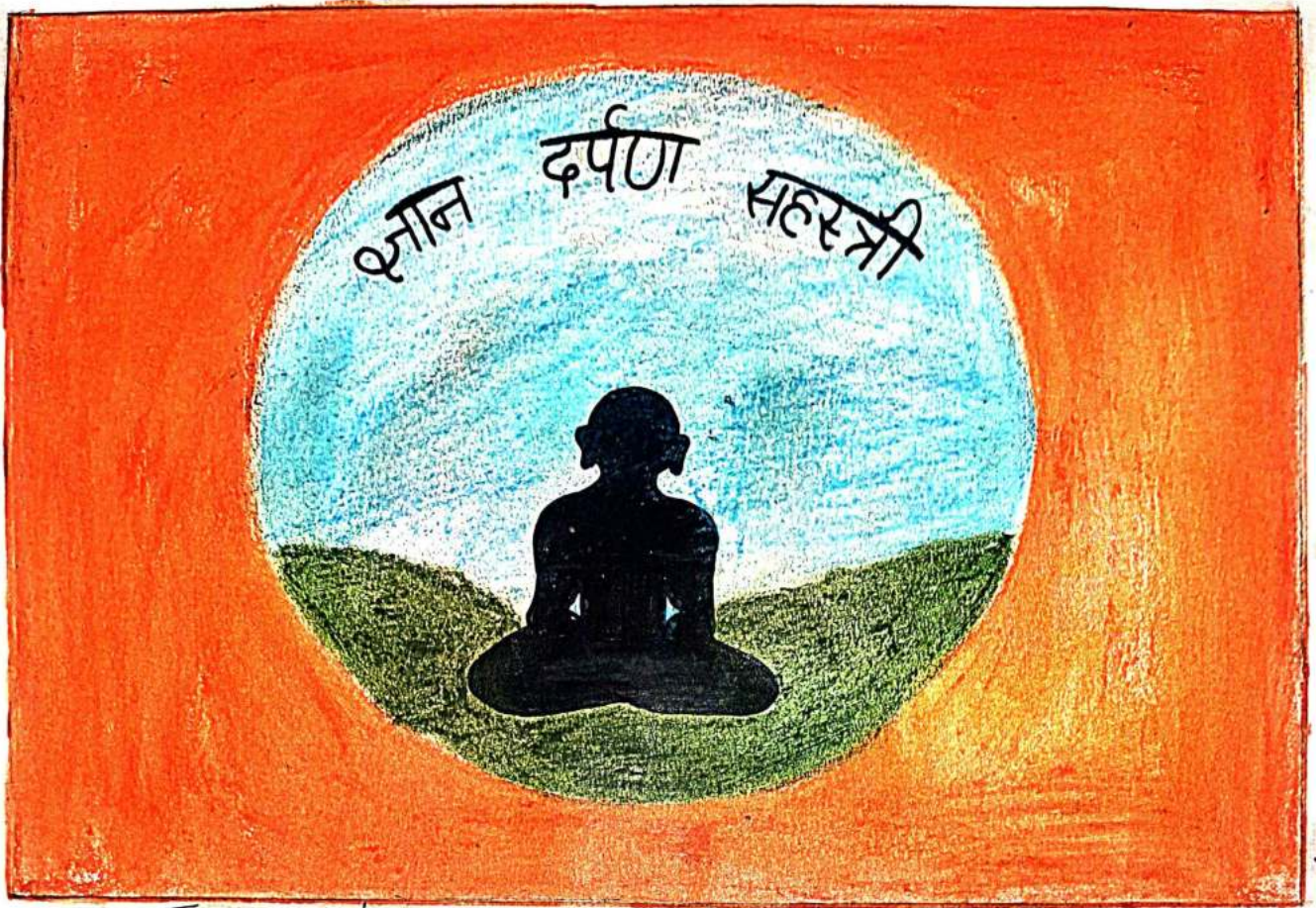
Name - Jyoti kiran Tudu  
Section - D  
Roll No - 164

# ज्ञान दर्पण

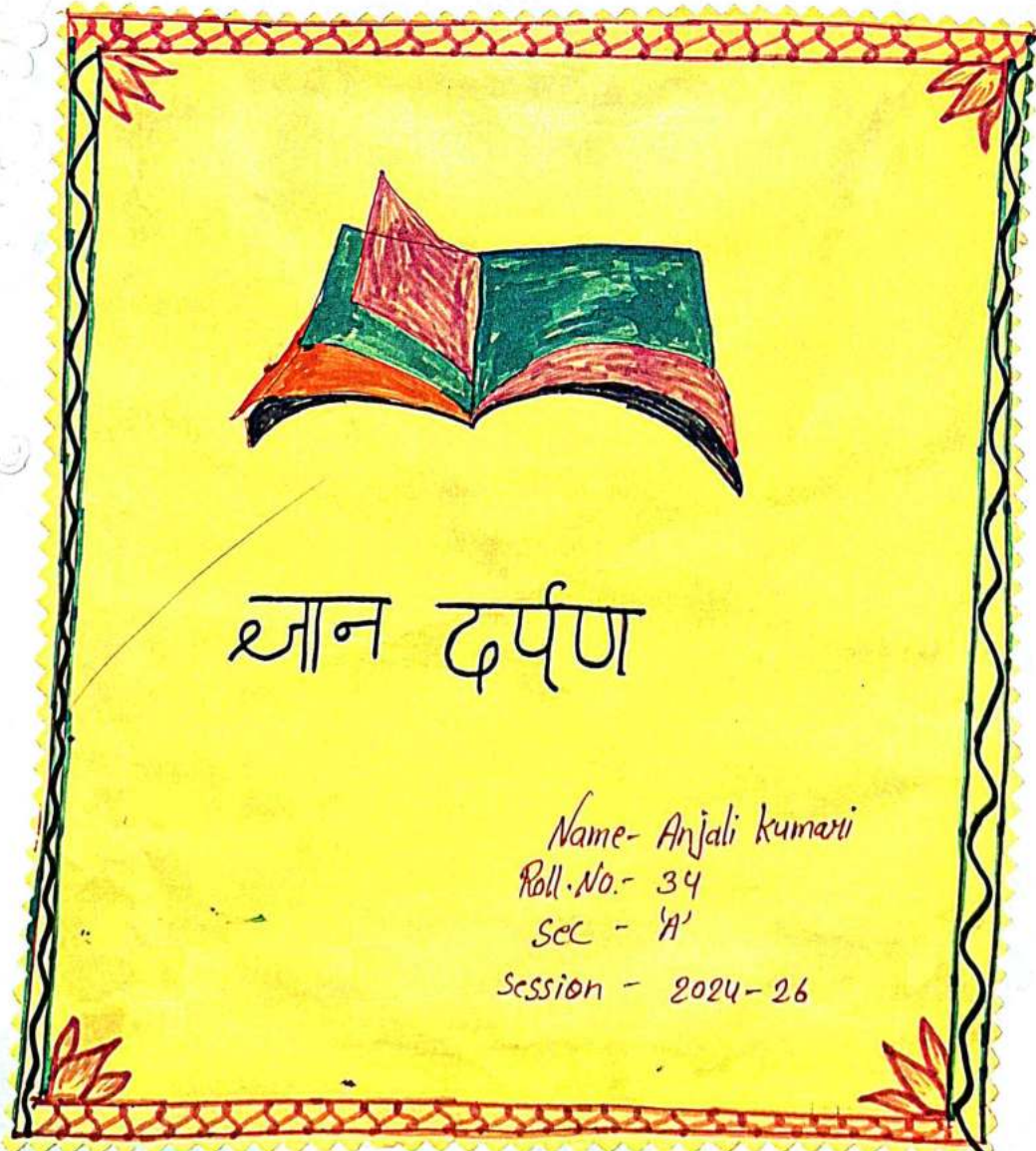


Name - Sashaana Sozen  
Class - B.ed (sem-1)  
Roll no - 22  
2024-26





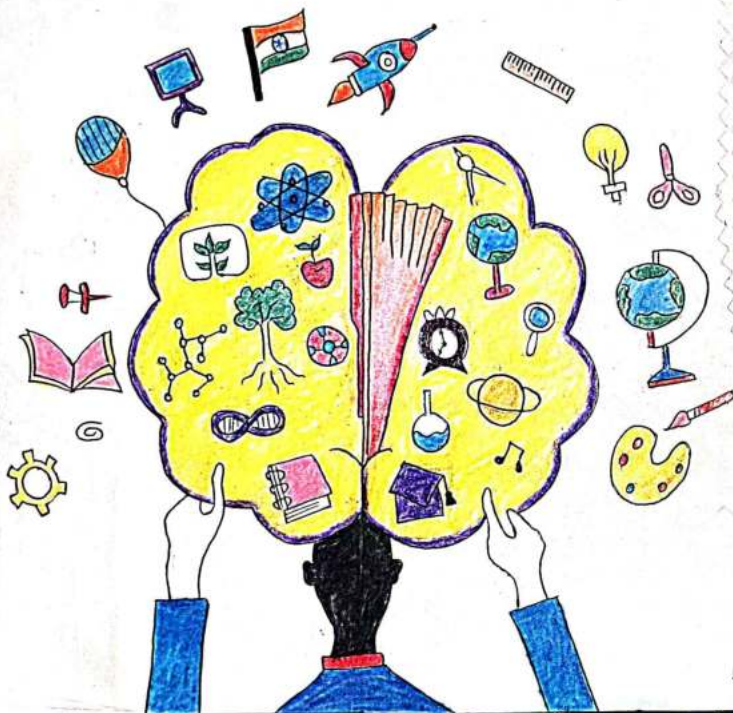
Name = Tiya Shree / Class = D.El.Ed 1<sup>st</sup> year / Roll no. = 13 2024-26





# Gyandarpn

I see Knowledge of Self  
I know who I am.  
When I look in the  
mirror, I see me



खुद की कबिलियत पर मरीसा रख  
जो गलती आज की है उससे सीख  
सब सांरा किसी के आगे  
अपनी सफलता के लिए

तू जलता हुआ रेगिस्तान है  
तेरे अंदर कुछ करने की ठान है  
तू रूक सब तुझे करना कुछ सहान है

तू अपने घर वाली की आस है  
अपनी उम्मीदों की सांस है  
इन्को यूं ही नहीं जाया करना है  
तुझे अपनी सफलता के लिए लड़ना है...!!!

Name - Preeti Murre  
Class - B.Ed Sem I  
Roll No - 175  
2024-26

Name - Gladish Hembro  
Roll no. 64  
Class - B.Ed Sem I  
Section - 'B'  
Session - 2024-2026



Nishu Kumari  
class - B.Ed  
Roll no: 116 "C"





ज्ञान का दर्पण इस बात का एक रूपक है कि कैसे ज्ञान और समझ हमें वापस प्रतिबिंबित होती है, हमारी अंतर्दृष्टि और जागरूकता को आकार देती है। यह आत्म-प्रतिबिंब का प्रतिनिधित्व कर सकता है, जहां हम व्यक्तिगत सत्य की उजागर करने के लिए भीतर देखते हैं; या यह शिक्षकों और

# ज्ञान दर्पण

समाह्वयकों की भूमिका को सृष्टि रूप दे सकता है जो दूसरों की सीखने और बढ़ने में मदद करने के लिए अपनी समझ को "प्रतिबिंबित" करते हैं। सांख्यिक रूप से, यह दर्शाता है कि कैसे समाज ज्ञान को साझा और संरक्षित करते हैं, जिससे सामुदायिक ज्ञान का साधार बनता है। आध्यात्मिक अर्थ में, यह स्पष्टता और सत्य के अनावरण का प्रतीक है।



ISHA BHARADWAJ  
B.Ed. (2024-2026)  
ROLL NO. - 12 'A'

## ज्ञान दर्पण

ढलना तो एक दिन है सभी को  
चाहे इंसान हो या सूरज  
मगर होसला सूरज से सीखा  
रोज ढल के सी  
हर दिन उम्मीद से निकलता है

नाम :- प्रीती कुमारी  
कक्षा :- जी.एड (सेम-1)  
क्रमांक :- 127 (C)

## ज्ञान दर्पण

हम आपने विचारों से ही अच्छी तरह ढलते हैं ; हम वही बनते हैं जो हम सोचते हैं। जब मन पवित्र होता है तो खुशी परछाई की तरह हमेशा हमारे साथ चलती है।

Name - Kanchan Kumari  
Class - B.Ed (sem-1) Sec.-C  
Roll No. - 141



## ज्ञान दर्पण

### शिक्षा

#### शिक्षा का महत्व :

ज्ञान दर्पण की यदि हम शिक्षा के संदर्भ में देखें, तो यह एक ऐसा माध्यम है जो हमें हमारे विचारों, दृष्टिकोणों और मानसिकता का अवलोकन कराता है। जैसे एक दर्पण हमारे वाहरी रूप को दिखाता है, वैसे ही ज्ञान दर्पण शिक्षा के माध्यम से हमारे आंतरिक ज्ञान और समझ को प्रकट करता है।

#### शिक्षा का ज्ञान दर्पण में महत्व :-

1.) ज्ञान का विस्तार : शिक्षा हमें दुनिया और खुद के बारे में गहरे विचार प्रदान करती है। यह हमारे दृष्टिकोण को विस्तृत करती है, जिससे हम अपनी सोच और निर्णयों को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। शिक्षा के माध्यम से हम नए विचारों, संस्कृतियों और परंपराओं को समझते हैं, और हमारे मानसिकता को प्रभावित करता है।

2.) समाज में परिवर्तन : ज्ञान दर्पण के रूप में शिक्षा समाज में एक बड़े बदलाव का कारण बन सकती है। एक शिक्षित समाज अधिक समृद्ध, समावेशी और समान रूप से सशक्त होता है। जब लोग शिक्षा प्राप्त करते हैं, तो वे न केवल अपनी स्थिति सुधारते हैं, बल्कि अपने समाज को भी सुधारने में मदद करते हैं।

3.) आत्म-विकास : शिक्षा के माध्यम से हम अपने व्यक्तिगत विकास को पहचान सकते हैं। यह हमें अपनी कमजोरियों और क्षमताओं को समझने का अवसर देती है। दर्पण हमें आत्म-मिरीक्षण की प्रक्रिया में मार्गदर्शन करता है, जिससे हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम होते हैं।

Name : Madhu Kumari

Roll no : 08

Class : B.Ed 'A'

Session : 2024-26



पढ़ेंगे हम कि धर्मों का सही पैगाम क्या है,  
पढ़ेंगे हम खुदा क्या है हमारे राम क्या है।

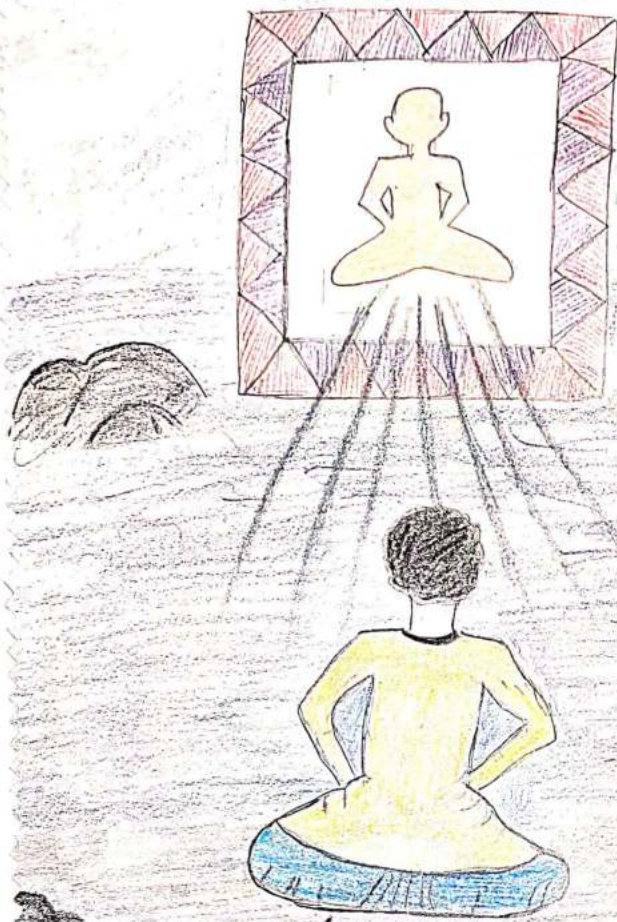
ये नन्हें दीप ही इंसानियत की लौ जलाएंगे,  
इरादा कर लिया है हम इन्हें रोसा पढ़ाएंगे।



Heena Potwekar  
B.Ed Sem-I  
138  
2024-26







NAME - CHANDARANI  
CLASS - B.ED SEM(I)  
ROLL NO - 62  
SEC - (B)

## ज्ञान दर्पण

2024-26

ज्ञान दर्पण है सर्वांग, जैसे

सूरज का उजाला,

जगमग करे मनुष्य का जीवन,  
मिटाने अज्ञान का जाल।

सूरदास की गोविंद बसधारा,

मीरा की अगोखी पुकार।

ज्ञान ही ली वह दीप है,

जो बनाता जीवन साधार।

## ज्ञान दर्पण

हों में एक तारा हूँ

जगमग करता नभ में दिखता

सबकी धुँ आकर्षित करता

हों में एक तारा हूँ।

अर्थात् ज्ञान दर्पण वह झरौखा,

जहाँ हर विचार चमकें कलम

की ताकत से। सभी "कवियों"

की "वाणी" और "लेखकों" की बात।

ज्ञान दर्पण के माध्यम से

"सर्वांग, विज्ञान सहित, तथा

असीम एवं अनन्त होती है।

सूरज की वस एक किरण से  
जीवन में विखिल मिले  
लारों जन में जान आशा  
और स्वयं उल्लास भरै।

Name - Fulmani Hansdak

Class - B.Ed

Roll no - 122

Sec - (C)

2024-26

Name - PUTA KUMARI

Roll no. - 155 'D'

Class - B.Ed (Sem-I)

Session - 2024-26



दर्पण जब चँदरे का दाग दिखाता है,  
तब हम दर्पण नहीं तोड़ते बल्कि  
दाग साफ करते हैं।

उसी प्रकार, हमारी कमी बताने  
वाले पर क्रोध करने के बजाय  
अपनी कमी को दूर करना चाहिए

न की कमी बताने वाले से रिश्ता  
तोड़ना चाहिए

Name :- Aakriti Kumari

Class :- B.Ed (Sem-1)

Roll no. :- 109

Section :- C

"You are the driver of  
your own life. Don't  
let anyone else steal  
your seat."

Isha Kumari  
B.Ed. 2024-26  
Roll no. 53



ज्ञानदर्पण की आँखों में,  
ज्ञान की गहराइयाँ मन की भाती हैं;  
मन की अपनी रीशनी का दर्पण,  
जीवन की झुंझरी रात को रोशन करता है।  
हर पक्ष से नई राहें खुलती,  
ज्ञान और विज्ञान के पवित्र स्त्रीत उल्लस।  
भूतकाल की राहें प्रकट करती,  
खीखने के सबक दिल की धृती।  
ज्ञानदर्पण की चमकती रीशनी में,  
अज्ञानता रात में खी जाती है।  
आत्म-स्वर्ग का सफर शुरू होता,  
ज्ञानदर्पण की ज्ञान में पूष जाता।

Isha Kumari  
B.Ed. 2024-26  
Sec- B  
Roll no - 53

### Gyan Darpan

"Gyan Darpan" (ज्ञान दर्पण) is a Hindi term that  
translates to "Mirror of knowledge" or "Reflection  
of knowledge" in English. It could Refer to :-

Book or Publications:

Many Books, journals, or educational materials  
might be titled Gyan Darpan to convey  
the idea of imparting wisdom and knowledge

Magazines or Newsletters:-

Some institutions or organization publish  
magazines or newsletters under this name,  
focusing on cultural, educational, or social  
issues.

Name - Deepshikha  
Class - B.Ed (Sem-1)  
Roll - 135  
Sec - C.



ज्ञान दर्पण



Name - Priyanka Soren

Roll no. 79

Sec - 'B'

2024-26

علم کا عکس

علم کا آئینہ جب دل میں اترتا ہے، جہالت کا ہر پردہ بھی تو ہٹتا ہے -  
شرف کی روشنی سے منور ہو ذہن جب، زندگی کا ہر گوشہ نکھر کر چمکتا ہے -  
نکر کی گہرائیوں میں جب ڈوبتا ہے انسان، خود شناسی کا سفر بھی  
مکمل ہوتا ہے -

علم کا سمندر بے کنار، لامحدود ہے، ہر قطرہ اس کا پیاس کو اور  
بڑھاتا ہے

خود کو جاننا ہے تو علم کی روشنی میں دیکھ، یہی وہ راستہ ہے جو  
منزل تک پہنچاتا ہے -

Name - SANA REHMANI

Roll No. - 156

Course - B.Ed

Session - 2023-25



# सिद्धी कान्हू हलगरिया

दिसाकौवा बीन सिद्धी कान्हू चाँद - भैरौ  
दिसौम जागित जिबी हो को आलाय केदा ।  
इंगराज होपौनाक नाहाचार बाको साहावलैदा  
ओना खालिर माराड. लाइहाई गोहाकेदा

सिद्धी कान्हू मोनरे बाड. साहाक  
फुरगाय जागित डाण्डा केदेचकारे किन बाहाका  
आलो टोला सारजोम दाखाकले काथाकिन कोस  
30 पुन 1855 भोगनाडीह टाण्डीरे हूच  
सिगैषकिन औष ।

मैतदाक ओरोकिवान आजचारलेम जोद  
इंगराज साहेब दो खाजाना देरकारे बेस-यास गोदा  
सिद्धी - कान्हू चाँद - भैरौ फूलो-झानोको नाझमलेदा  
महाजाने सुदखोर इंगराज सिपाही लेबैर  
जोदामको जागित

सिद्धी - कान्हू आधुरे दारोगा साहेब गोचकारे  
इंगराज साहेबाक बौटोक हाताड. लोलोबेना मोते  
बँडुक भुली साहे लेना, सागात बैका तुझ सार  
भुडी धारतीरे माराक भौबाम आहु लेना जार

कुडी होपौनाक सिद्धर साकाम बुहेलएना  
सोना मिर, तिनाक चौको कासाड. डोला  
इंगराज साहेबबाक नाहेकाना आडी ओरोब  
हूच ओकलो बाड. होखलेना बाहा सोहराय पोरोब ।

Name - Bindu Kumari Ka'sku  
Roll - 74, Sec - B  
Sem - II 2024-26

हम अपने विचारों से ही  
अच्छी तरह ढलते हैं, हम  
पढ़ी बनते हैं जो हम सोचते  
हैं। जब मन पवित्र होता है  
तो खुशी परछाई की तरह  
हमेशा हमारे साथ चलती है।

Name :- DIKSHA KUMARI  
Class :- B.Ed (sem-I) Sec. (C)  
Roll No. :- 137

## ज्ञान दर्पण

आज यह आवश्यक है  
कि देव हम इस दर्पण को  
क्षण भर भी यदि छूक जायें  
तो धन्यवाद देता तुमको

दर्पण प्रत्यक्ष हैं सत्य का  
भैरव खोलत कृष्ण का  
मानव नहीं ये पस्तु हैं  
मार्ग दूधता खेत का

कथा हृदय नहीं पाषाण हैं  
कथा मिथ्या में इतनी जान हैं  
यह तो विधि का विधान हैं  
सर्पशा असत्य का विनाश हैं

सत्य को तुम जीत लो  
सत्य को तुम जीत लो

Name - Twinkle Kumari  
Roll no - 114 'C'  
class - B.Ed. Sem-I  
2024-26

ज्ञान का दर्पण है, जो दिखाए सच्चा रूप,  
मिटाने दूर अंधकार, बनाए जीवन अनूप ।

जो इसमें - झाँकें सदा, सत्य वही पहचानें,  
भ्रम और अज्ञान के बंधन - सब ढूँढ जाएँ ।

यह मन का प्रकाश है, यह आत्मा की ज्योति,  
जो इसे अपनाए, पा ले सत्य की गहराई ।

हर दिन इसमें देखो, अपना सच्चा स्वरूप,  
ज्ञान का यह दर्पण, देगा तुम्हें अमूल्य स्वरूप ।

Name - Anna Elice Mumm  
class - B.Ed (sem-I) Sec.-D  
Roll No. - 182 (2024-2025)



# ❀ ज्ञान दर्पण ❀

Name - Kajal Kumari  
Roll No - 115, Sec - C  
Class - B.ed, Sem - I

व्यक्ति को अपने अस्तित्व एवं व्यक्तित्व को जानने एवं विकास करने की विधि का ज्ञान है। अस्तित्व अदृश्य होता है। यह आध्यात्मिक पुस्तकों को पढ़ने एवं आध्यात्मिक पुस्तकों को पढ़ने एवं आध्यात्मिक महापुरुषों के विचारों को समझने में अनुभव में आता है।

व्यक्तित्व दृश्य होता है। इसके विकास हेतु अपने शरीर - मन - विचार एवं भावनाओं को निरंतर शुद्ध एवं परिष्कृत करना होता है, जिससे व्यक्ति तेजवान होता है तथा लंबी आयु प्राप्त करता है। व्यक्ति अपने अस्तित्व एवं व्यक्तित्व का चरम विकास कर समाज कल्याण हेतु बने। समाज में आज धर्म के प्रति भ्रम की स्थिति बनी है। जिससे वैयक्तिक सामाजिक कलहों एवं बुराइयों का प्राचुर्य दृष्टिगोचर होता है। इस धर्म के प्रति भ्रम का निवारण - निराकरण करने हेतु ज्ञान दर्पण की आवश्यकता है।

ज्ञान पृथ्वी पर किसी भी धर्मधार से अधिक शक्तिशाली है। ज्ञान व्यक्ति को श्रेष्ठ और शक्तिशाली बनाता है। हमारे व्यक्तित्व को आकार देने और लोगों के साथ हमारे व्यवहार और व्यवहार को सही करने के लिए ज्ञान भी बहुत महत्वपूर्ण है। ज्ञान हमें खतरों से बचाने में मदद करता है। ज्ञान मनुष्य के पास परिस्थितियों से न्याय करने की क्षमता है। चर्चा और परिकल्पना बाह्य के वैचारिक ज्ञान को विकसित करने में भी सहायक है।

## ज्ञान दर्पण

### जीवन और समय का अनमोल

- 1 साल की कीमत उस से पुछो जो परीक्षा में फेल हुआ हो।
- 1 महीने की कीमत उस से पुछो जिसको पिछले महीने वेतन ना मिली हो।
- 1 हफ्ता की कीमत उस से पुछो जो पूरा हफ्ता अस्पताल में रहा हो।
- 1 दिन की कीमत उस से पुछो जो सारा दिन से भुखा हो।
- 1 घंटे की कीमत उस से पुछो जिसने किसी का इंतजार किया हो।
- 1 मिनट की कीमत उस से पुछो जिनकी ट्रेन एक मिनट से मिस हुई हो।
- 1 सेकंड की कीमत उस से पुछो जो स्मसीटेंट से बाल-बाल बचा हो।



"इसलिए हर पल का शुक्रिया करो"

Name - Anjita Baskey  
Class - B.ED Semester - I  
Roll No - 170  
Section - 'D'

सन्मार्ग के पथिक बन, हमको दिशाना-फलें॥  
जिनधर्म हैं हमारा, धारेंगे सबसे बलें॥  
कुरीतियों की ताकत, भवकूप से बचेंगे,  
जिसधर्म ध्वज की लेकर, हम ज्ञान से  
दो माँ जिनवाणी माता, अस्तु तु रस पिचेंगे,  
गुस्वार की शरण लेकर, सन्मार्ग पर चले॥

शुनियों की दल दें, हट्टम खड़े रहेंगे,  
माँ जिनवाणी की सेवा, हम ज्ञान से करेंगे,  
जिसधर्म ही जगत में, ऐसा धतन करेंगे,  
शुनि शस्त्र जिनकी रक्षा, हम ज्ञान से करेंगे॥

Name = Deepshikha Kumari  
Class = B.ed Sem(I)  
Roll No = 151  
Sec = 'D'

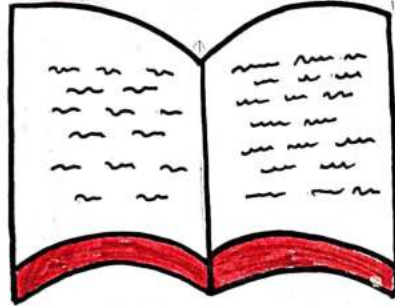


# GIYAN - DARPAN



"EDUCATION IS NOT THE  
LEARNING OF FACTS, BUT  
THE TRAINING OF THE  
MIND TO THINK."

-ALBERT EINSTEIN



NAME - Kumari Priti Pandit  
Roll No - 102, Sec - C  
Batch - 2024-26

## ज्ञान दर्पण

खून क्यों सफ़ेद हो गया ?

मैद में अमैद खो गया।

बैठ गये शहीद, गीतकट गए,

कलेजी में कटार पड़ गई।

दूध में दरार पड़ गई।

खेतों में बारूदी गंध

टूट गये नानक के हँस

सतलुज सद्म उठी, व्यथित सी बितसा है।

कसीत से बहार झाड़ गई

दूध में दरार पड़ गई।

अपनी ही छाया से बैर,

गले लगने लगे हैं गैर,

मुदकुशी का रास्ता, तुम्हें वतन का वास्ता

बात बनाएँ, बिगड़ गई।

दूध में दरार पड़ गई।

Name - Sushmita Kumari

B.Ed sem - I

Roll No - 186

Sec - D

2024-26

## ज्ञान दर्पण

KNOWLEDGE

IS LIKE A MIRROR. IT WILL SHOW  
YOU WHERE THE DIRTY IS LOCATED,  
BUT IT WILL NEVER REMOVE IT  
FOR YOU.

- MWANANDEKE KINDEMBO

A BOOK

IS A MIRROR THAT OFFERS US ONLY  
WHAT WE ALREADY CARRY INSIDE US.

- CARLOS RUIZ ZAFON

NAME : DEEPSHIKHA MURMU

ROLL No : 37

CLASS : B.ED SEM-1

SECTION : A

2024-26



अनेक वस्तुओं के अधूरे ज्ञान  
की अपेक्षा कुछ न जानना  
अच्छा होता है।

इस संसार में मनुष्य ज्ञान के  
द्वारा ही नाम, शौहरत, पैसा  
प्राप्त कर पाता है।

अज्ञान ईश्वर का अभिशाप है, ज्ञान वह  
पंख है, जो हमें उड़ाकर स्वर्ग  
तक ले जाता है।

Name:- Roshni Kisku  
Sec:- A (B.Ed)  
Roll No:- 13  
2024-  
2026

### ज्ञान दर्पण

‘एक झरोखा आत्म - प्रकाश की ओर  
“यह वह दर्पण है जिसमें हम अपने  
आत्म-ज्ञान, बुद्धिमत्ता और आत्मनिरीक्षण  
को देख सकते हैं। यह आत्मचिंतन और  
जागरूकता का प्रतीक है। यह हमें हमारे  
भीतर छिपे ज्ञान और सत्य की ओर  
ले जाने वाला माध्यम है।”

Name Anamika Hembram  
Sec 'A' B.Ed  
Roll No - 25





कहावत है पानी पीजिय दानकर दोस्ती किजिए जानकर  
जीवन में अच्छा दोस्त मिल जाता है तो माय चमकता है

आजकल धनी व्यक्ति जिसके पास रुपया पैसा है उसी से दोस्ती करना पसंद करते हैं। जो मुँह पर बड़ाई करता है उसी से अपना दोस्त मान लेता है। असल दोस्त वो होता है जो व्यक्ति की गलती का रहस्यसकता है। झूठी बड़ाई नहीं सामने सारी सीटी सुनाने में फूटने नहीं करता है। उसे अपने दोस्त की मलाई कैसे होगी गद्दी सोचता है। दोस्ती अपने सम्मान लोगों से करना अच्छा लगता है। जो अपने से पीछे हो ना बड़ा हो। जिसके सामने अपनी मन की बात सुलझावेकर सके जो हमारी कमियाँ को भी दूसरे के सामने उजागर न करे।

जो बुरे स्व कठिन समय में

भी साथ रहे ऐसे व्यक्ति से दोस्ती कस्ती चाहिए। ताली दोनों हाथ से बजती है। स्वयं भी दोस्ती के लिए कठिन स्व बुरे समय में साथ निभाने का प्रयास करना चाहिए। इतिहास में दो दोस्तों की प्रसिद्ध है। एक सुदामा स्व कृष्ण की दोस्ती दूसरा राजा द्रुपद स्व आचार्य द्रोण की दोस्ती।

कृष्ण ने राजा होने का भी गरीब सुदामा को अपने सम्मान आसन दिया। मान सम्मान दिया। दोस्त के समान राजा होने पर भी गरीब सुदामा से आत्मीयता से बात की। सुदामा के साथ मिलने पर कृष्ण एक दोस्त बन गए जैसे पहले थे। अपने को राजा नहीं समझा सुदामा को राजा बना दिया। सुदामा से गले मिले। राजमहल में सुदामा आने का सामाचार जब द्वारपाल ने कृष्ण को दिया तो सुदामा से मिलने नहीं पावे राजमहल से बाहर आये। दोस्ती की अच्छी तरह से निभाया। दोस्त हो तो ऐसा। दुनियाँ में कहावत है।

नाम - शीमालता मर्याद  
रोल न - 142 (Sec) C  
B.Ed - Sem I.

भान दोष

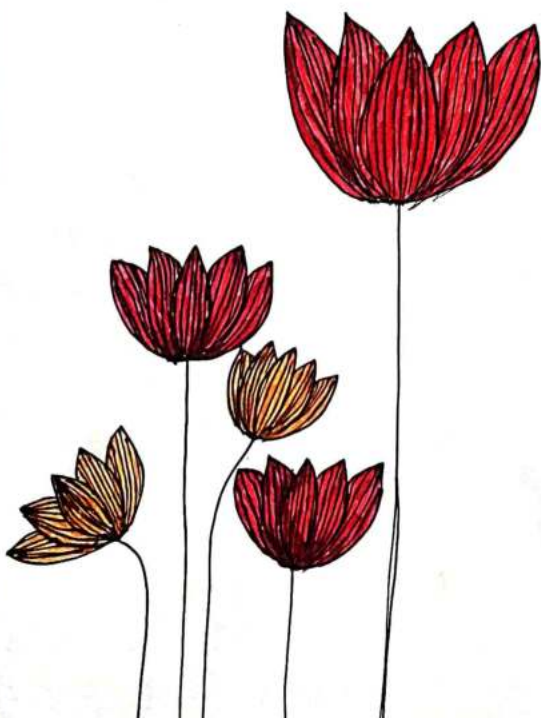
जिसे भी अपना देश मथान  
अपनी सख पर अध्याचार  
धूम रहे हैं सीना तान  
फिर भी अपना देश मथान !  
आलू, मटर, टमाटर, लोकी  
मत पूछो अब गीत जो की,  
कुछ पुष्प से बाहर  
अब तो -  
शरी, कपड़ा और मकान,  
फिर भी अपना देश मथान !  
पद - लिखे लोकर बेकारी  
मचा रहे हैं मारी - मारी,  
बूढ़मार -  
आतंकवाद से -  
हैं गलियों, सड़के वीरान,  
फिर भी अपना देश मथान !  
गुजरा बचपन, शैत - शैत  
मजबूरी को दोते - दोते  
कब आई  
कई गई न जाने -  
बच्चों की मोहक मुस्कान,  
फिर भी अपना देश मथान !  
अन्ध्या कौन, कौन है काना  
मुश्किल है अब सच कह पाना,  
जिसको देखो चलना रहा है -  
दल - फरेब के तीर - कमान,  
फिर भी अपना देश मथान !

Name - Misha Hembram  
Class - B.Ed (Sem I)  
Roll No. - 163  
Sec - 'D'

When you are able to see with  
no dust of knowledge on  
the mirror of your soul  
when your soul is without  
any dust of knowledge  
when it is just mirror, it  
reflects that which is

This is wisdom  
That reflecting of that  
which is wisdom

Name - Snehlata Baskey  
B.Ed Sem - I (2024-2026)  
Roll No - 70  
Sec - 'B'





# Gyan-Darpan

It is very beautifully said that "Knowledge is Power". It is awareness of knowing about what, why and when.

It is mental power to produce many innovative ideas. It is said that "The more you know the more you grow." The knowledge acts as a mirror in our life. It is something which serve your whole life.

Knowledge is like treasure that gives us power to face challenges of life. It is most valuable thing of our life. A person with knowledge can empower himself but also share insightful things with others. Knowledge solves personal and global problems. So we can conclude it by saying that sharing knowledge is the key to unlock the power.

Name-Anshu Priya

Roll No. - 03

Session-2024-25

## ज्ञान दर्पण

आप यह नहीं कह सकते कि आपके पास समय नहीं है, क्योंकि आपको भी दिन में उतना ही समय (24 घंटे) मिलता है।

Name :- Chameli Murmu  
Class :- B.Ed (sem-1) Sec.A  
Roll No. :- 44  
2024-26

## ज्ञान दर्पण

ज्ञान दर्पण एक दर्पण की तरह है। जिसका उपयोग स्वयं को निखारने में करते हैं उसी प्रकार ज्ञान दर्पण में भी हमें प्रति दिन ही नहीं दिन में अनेकों बार स्वयं को अपने ही आत्मा को निखारने चाहिए। ज्ञान दर्पण में स्वयं को देखें, स्वयं को जानें अपने ज्ञान का उपयोग करें, इससे लोकलोक सल्लता है। ज्ञान वह पंख है, जो हमें उठा कर स्वर्ग तक ले जाता है। अनेक वस्तुओं के अधुरे ज्ञान की अपेक्षा कुछ न जानना अच्छा होता है। इस संसार में मनुष्य ज्ञान के द्वारा ही नाम शौहरत पैसा प्राप्त कर सकता है।

Carmela Soren

Roll no- 134

Section - 'C'

2024-26

## ज्ञान दर्पण

शरीर को चंगा रखो।  
दिसारा को ठंडा रखो।

आँखों में शर्मा रखो।  
बुझान को नरम रखो।  
दिन में रहस रखो।

क्रोध पर ब्रह्मा रखो।  
व्यवहार को साफ रखो।  
होठों पर मुस्कुराहट रखो।

फिर स्वर्ग में जाने की क्या जरूरत यूही स्वर्ग है,  
स्वस्थ रही, व्यस्त रही, सस्त रही,  
सदा खुश रही!

Name - Stella Soren

Roll No - 26 (2024-2026)

Class - B.Ed Sem I 'A'



## ज्ञान दर्पण

शांत वातावरण में मदमस्त बहती जा रही थी  
दिलोरे लेती सज्जती रहती  
कभी रुफनती, तो कभी शांत  
बस बहती जा रही थी

सौलह भुंगार कर वन सौन्दर्य लिए  
मैं भी कभी नवयुवती थी  
तुम्हारा हूँ प्रतिदिन निहारना  
मुझे माने लगा

किसी देवी भांती, पुजा करना  
मुझे माने लगा  
सच कहूँ तुम्हारे प्रेम वेग में  
बहती जा रही थी।

पुर भाज्य  
तुम्हारा हूँ अचानक बदलना  
मन को कुछ खटका, ना समझना यह कि तुमने  
मेरा भौंचल मैला कर डाला, नहीं हूँ मैं  
नहीं कोई गंदा नाला। कैसे पथिक हो  
व्यास बुझा के गंदा कर डाला। मैं नहीं हूँ  
हर गंदगी धुल जाती, मुझ में मेरा वज्र  
मेरा सौन्दर्य है मुझ से, पलट कर ना देखना  
मेरा भाव हो था मेरा सौन्दर्य  
वह जाते हैं इसमें तुमसे कई

Name - Sipu Hansdak  
Roll - 105 'C'  
Sem - B.Ed Sem I  
Session - 2024-2026

## ज्ञान दर्पण

ज्ञान एक दर्पण की तरह है।  
यह आपको दिखाएगा कि  
गंदगी कहाँ है, लेकिन  
यह आपके लिए इसी कभी  
नहीं टटाएगा।

Name - Anuja Handa  
B.Ed sem-1 - 2024-25  
Roll No - 81  
Section - 'B'

## ज्ञान दर्पण

ज्ञान दर्पण शब्द अपने आप में गहन अर्थ समेटे  
हुए हैं, यह केवल एक साधारण कीड़ा नहीं है।  
जिसमें हम अपने मौलिक स्वरूप को देखते हैं  
वर्ल्ड यह वह दर्पण है जिसमें हम अपने  
आत्म - ज्ञान बुद्धिमत्ता और आत्म निरीक्षण  
को देखते हुए हम ज्ञान दर्पण, आत्म चिंतन  
और जागरूकता का प्रतीक हैं, यह हमें  
हमारे छिपे ज्ञान और सत्य की ओर ले  
जाने वाला माध्यम है।

Name - Sangreeta Hembram  
Roll No - 145  
Section - 'C'

## ज्ञान दर्पण

**प्रस्तावना** - ज्ञान दर्पण एक अद्भुत और शक्तिशाली  
प्रतीक है, जो हमारे जीवन को संपूर्णता  
की ओर मार्ग दर्शन करता है। जिस प्रकार  
दर्पण का काम है हमें बाहरी सूरत दिखाना,  
उसी प्रकार ज्ञान का काम है हमें आत्मा  
की वास्तविकता से अवगत कराना।

## ज्ञान दर्पण का अर्थ

ज्ञान दर्पण दो शब्दों से मिलकर  
बना है - ज्ञान और दर्पण। जिसमें ज्ञान का अर्थ है -  
विवेक, समझ, बुद्धि तथा दर्पण का अर्थ है - आईना।  
इस प्रकार ज्ञान दर्पण से तात्पर्य उस आईने  
से है जो हमें सत्य, सही मार्ग और आत्मज्ञान की  
ओर ले जाए।

“ज्ञान से जागो,  
दर्पण में खुद को पहचानो!”

## ज्ञान दर्पण का उद्देश्य/महत्व

ज्ञान दर्पण का मुख्य उद्देश्य  
व्यक्ति को आत्मज्ञान और सत्य की ओर मार्ग  
दर्शन करता है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन  
लाने के लिए उसे जागरूक और जिम्मेदार बनाना भी है।

## ज्ञान दर्पण का प्रभाव

ज्ञान दर्पण का प्रभाव व्यक्ति  
के मानसिक, बौद्धिक और अध्यात्मिक विकास पर  
गहरा होता है।

## निष्कर्ष

ज्ञान दर्पण के द्वारा व्यक्ति अपने व्यक्तित्व  
का चरम विकास कर समाज कल्याण के लिए तैयार हो  
सकता है।

Name - Shampy Kumari  
Roll No - 140 'C' (B.Ed)  
Session - 2024-25



## ज्ञान दर्पण

“ज्ञान का दर्पण, विचारों को शुद्ध और संकल्पों को सकल बनाता है।”

“ज्ञानदर्पण में सच्चाई की चमक, जीवन का मार्गदर्शन करती है।”

“ज्ञान दर्पण, अंधकार को दूर कर मन को जागृति लाता है।”

Name: Evangeline Murmu  
Roll no: 54

Section: B

Session: 2024-26

## Gyan Darpan

There Are Two Ways  
Of Spreading Light To  
Be The Candle Or The  
Mirror That Reflect

It Name- Meena Hansola  
Roll no- 48

## ज्ञान दर्पण

Name - Aditi  
Sem - I  
Sec - 'D'  
Roll no. 158  
2024-26





## "जीवन का दर्पण"

"ज्ञान का दर्पण" वह प्रतीक है जो हमें जीवन की गहराइयों, सच्चाई और आत्म-आश्रयता का प्रीतिपूर्वक विश्वास है। यह दर्पण आत्म-चिंतन से शुरू होता है, जिससे हम अपने विचारों, भावनाओं और अनुभवों का निरीक्षण करते हैं। यह हमें अपने भीतर छिपे सत्य को समझने में सहायता करता है, जिससे हम अपने वास्तविक स्वभाव और कामजोरियों को पहचानते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में, यह दर्पण गुरु और विद्यार्थी के संबंध में प्रकाश डालता है। शिक्षक अपने ज्ञान और अनुभवों को हमारे सामने रखते हैं, जिससे हम उनके दृष्टिकोण और सीख को अपनाने में सक्षम होते हैं। यह ज्ञान का आदान-प्रदान पीढ़ियों के बीच एक सेतु का काम करता है, जिससे ज्ञान का प्रवाह निरंतर बना रहता है।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण में, "ज्ञान का दर्पण" सत्य और वास्तविकता का शुद्ध प्रतीक है। यह हमें भ्रम और मानसिक बंधनों से मुक्त करता है, जिससे हम जीवन के गहरे सत्य को अनुभव कर सकते हैं। इस दर्पण में हम शांति, करुणा और आत्मज्ञान की ओर अग्रसर होते हैं, जो हमें सच्ची जीवों से जोड़ता है और हमारे भीतर प्रेम और समग्रता का भाव उत्पन्न करता है।

प्रकार "ज्ञान का दर्पण" हमारी भावना, समाज और उस परम सत्य से जुड़ने का माध्यम बनता है। यह दर्पण हमें अपनी दुर्बलियों के साथ-साथ संसार और अस्तित्व के गूढ़ रहस्यों को समझने में सहायता करता है, जो जीवन को सार्थकता, गहराई और संतुलन प्रदान करता है।

Name - Lajal Sharan  
Roll no. - 06  
Section - "A"  
Class - B.E.D. (Sec)

पैड़ी चढ़े सुध चाल चलें,  
मुक्ताफल अर्थकी और ढरें।  
कटकलीन कमल लखें,  
तिहि दोष विचारिक त्याग धरें।  
उज्जल वाणि नाहिं गुणहानि,  
सुहावनि रीति कौं ना विचरें।  
अक्षर मानसरोवर भाहिं,  
कितैंक विहंग किल्लोल करें॥

जोनी जीव मोक्षफल की ओर दलता हुआ, शुद्धोपयोग रखी सीढ़ी चढ़ता है। कटकलीन कमल को देखकर उसमें दोषों को विचार कर उनका त्याग कर देता है। ऐसी पावन वाणी जिससे किसी प्रकार के गुणों को हानि नहीं होती है, इस रीति को नहीं भूलता है। जिस प्रकार मानसरोवर झील में किने ही पक्षी किल्लोल करते हैं, उसी प्रकार सम्यक्दृष्टि जीव मोक्ष मार्ग में आनंद करते हैं।

Name - Bindu Kumari  
Kerka  
Bed. Sec - B  
Roll - 74



# MIRROR OF KNOWLEDGE

"KNOWLEDGE IS THE  
TRUE ORGAN OF SIGHT,  
NOT THE EYES."

"KNOWLEDGE IS THE WING  
WHEREWITH WE FLY TO HEAVEN"

"IF YOU HAVE KNOWLEDGE,  
LET OTHERS LIGHT THEIR  
CANDLES IN IT."

"AN INVESTMENT IN  
KNOWLEDGE ALWAYS PAYS  
THE BEST INTEREST"

- BEN FRANKLIN



NAME-PUJA KUMARI  
Roll - 32 'A'  
SESSION - 2024-26

## ज्ञान दर्पण

हां मैं एक तारा हूँ  
जगमग करता नभ दिखाता  
सबकी धुं आकर्षित करता  
हां मैं एक तारा हूँ ।

सूख की बस एक फ़िरा से  
जीवन में विश्वास मिले  
लाखों जन में जागे आशा  
और सबसे उल्लास भरे ।

Name - Malti Kumari

Roll No - 179

Sec - D

B.Ed. Sem - 1

2024-26

## ज्ञान दर्पण



## ज्ञान दर्पण

मैं ज्ञान का दर्पण हूँ,  
जिसमें आपकी छवि बसती है।  
मैं ज्ञान की किरण हूँ,  
जो आपके मन को प्रकाशमान कर देती है।  
मैं ज्ञान का सागर हूँ,  
जिसमें आपकी आत्मा को शान्ति मिलती है।  
मैं ज्ञान का मार्ग हूँ,  
जो आपको जीवन की राह पर ले चलता है।

Name - Priyanka Roy  
Sec - B  
B.Ed Sem I  
Roll no 88  
2024-26

Neha Jha

43



# Gyan-Darpan



"By Three methods  
we may learn wisdom :  
First, by Reflection, which  
is noblest ; Second, by  
Imitation, which is  
easiest ; and Third  
by Experience, which  
is bitterest "

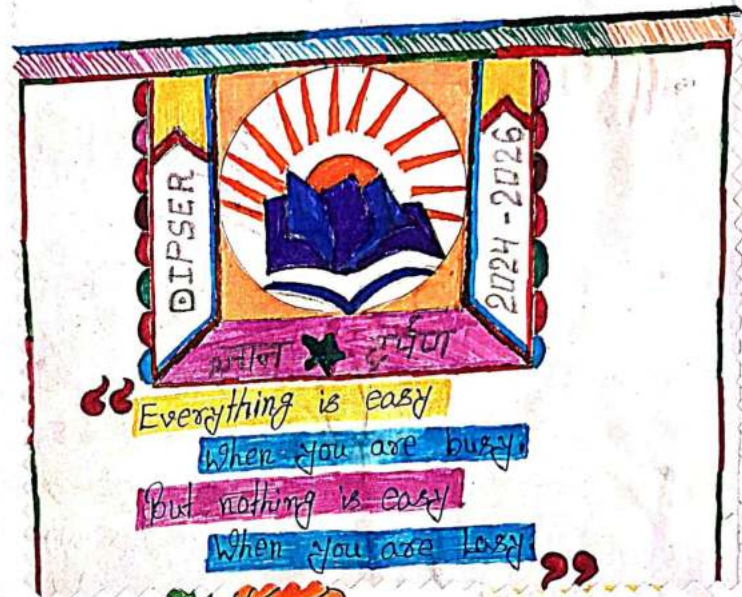
— Confucius

Presented BY :-

Usha Kiran Jaisku

B.Ed Sem-I

Roll No-41 2024-26



Neha KUMARI  
B.ED. SEM-I  
Class Roll.No.192  
Section-D  
2024-26



## ज्ञान दर्पण

दर्पण - झूठ नहीं बोलने देता ,  
ज्ञान - भयभीत नहीं होने देता ,  
आह्वात्म - मोह नहीं होने देता ,  
सत्य - कमजोर नहीं होने देता ,  
प्रेम - ईर्ष्या नहीं करने देता ,  
विश्वास - दुःखी नहीं होने देता ,  
कर्म - असफल नहीं होने देता ,

Name :- Rupam Kumari

Class :- B.Ed (sem-1) Sec(A)

Roll No. :- 42



## ज्ञान दर्पण Gyan Darpan:-

Knowledge is of great importance to our lives. Knowledge is the understanding, awareness, or familiarity that comes from experience, education, or learning. It can also refer to the facts, information, and skills that are acquired over time.

As a mirror reflects any object, this knowledge is our reflection of life. Knowledge is the knowing of something, while information is the facts or details of a subject. Knowledge management is the process of creating, gathering, storing, and sharing knowledge.



## ज्ञान - दर्पण

जिज्ञासु बनो  
क्योंकि जिज्ञासा  
ज्ञान की खोज  
की और ले  
जाती है ।

Name :- Eva Anyali Bessra

Roll no :- 38

B.Ed 'A'

2024-26

## ज्ञान - दर्पण

"जीवन कि सार्थकता ज्ञान से है, और ज्ञान को  
परप्रदर्शक के बिना नहीं प्राप्त किया जा सकता है"

मैं एक तारा आसमान में,  
कभी धिरा था, अज्ञान के काले घेरे में  
मिला ज्ञान प्रकाश गुरु कृपा से,  
जिवन का उदभव हुआ, उदभव हुआ  
मैं एक तारा आसमान में,  
कभी भटका, कभी मचला अपने लक्ष्य से  
मिला मन को एकाग्रता का मंत्र  
गुरु कृपा से  
जिवन में उत्सव हुआ, उत्सव हुआ

Name :- Beauty Kumari

Roll no :- 85

Sec :- 'B'

2024-26



# Gyan Darpan

"The Knowledge that you have understood is known as Darshan & when you are able to explain what you have understood to others, it is known as Gyan."

Name - Khushi Rani Class - B.Ed Sec - 'A'  
Roll-no - 5 Session - 2024-26

# Gyan - Darpan

Knowledge is our mirror, reflecting the mind,  
A boundless expanse, wisdom entwined.  
In pages and pixels, the stories unfold,  
A universe of thoughts, both new and old.

Reflections of insights, gleaming on the glass,  
A quest for truths remains in every class.  
Through words, we travel, realms unknown,  
The mirror of such knowledge, is on the wisdoms throne.

In the quiet of learning, where silence volume speak,  
Each chapter is the lesson and the speaker always seeks.

NAME - SNEHA KUMARI  
CLASS - B.Ed. SEM-1 (A)  
Roll No - 02

# Gyan - Darpan

"Knowledge is only mirror that reflects the self and the world with clarity".

This quote emphasizes that through knowledge, one gains insight in to both the external world and internal self, leading to wisdom.

"Gyandharpan doesn't just show us the world as it is, but as it could be, bringing dreams with insight."

This suggests that knowledge is transformative, helping us envision possibilities and inspiring growth beyond current realities.

Name - Komal Kumari

Class - B.Ed (Sem1) Roll-no - 143 (2024-26)





# ज्ञान दर्पण

किताबें जिंदगी का दर्पण होती हैं  
ये हमें जीने का हुनर सिखाती हैं

मन एक ऐसा दर्पण है जिसमें  
देखने वाला सामने वाले को देखता है  
जबकि दर्पण में स्वयं को ॥

NAME—PRIYA PRECILLA HASAN  
CLASS—B.Ed (SEM-I)  
ROLL NO:—123 'C'  
2024-26



# ज्ञान दर्पण

ज्ञान दर्पण

सहस्रों कूपड़े तो दुकान के पुतले भी  
पूछते हैं अगर पहचान बचानी है  
तो अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य  
प्राप्त कीजिए ये किसी भी दुकान  
पर नहीं मिलती हैं।

Name - Neha Kumari  
Class - B.Ed Sem.I  
Roll No - 196  
2024-26



## ज्ञान दर्पण

तू जिंदगी को जी उसे  
समझने की कोशिश न कर  
सुंदर सपनों के लाने बाने तुन  
उसे उलझने की कोशिश न कर  
चलते वक्त के साथ तू

मैं चल उसमें सिमल  
कोशिश न कर अपने हाथों को  
होला मुल कर सोस ले अंदर ही  
अंदर खुद की कोशिश न  
कर मन में चल रहे  
बुद्ध पिराम है

सोमरुवाह मुद में  
लड़ने की कोशिश न कर  
कुद भालें अगवान पर होइ है  
बस कुद मुलझने की कोशिश न कर  
जो मिल गया उसो में खुद रहे  
जो सुकून दीन लें वो पाने की  
कोशिश न कर

Name - Anita Handa  
Roll no - 19

## ज्ञान दर्पण

### जीवन के सात सच्चे दोस्त

1. दर्पण → झूठ बोलने नहीं देगा।
2. ध्यान → भयभीत होने नहीं देगा।
3. अध्यात्म → मोह करने नहीं देगा।
4. सत्य → कमजोर होने नहीं देगा।
5. प्रेम → नफरत करने नहीं देगा।
6. विश्वास → दुःखी होने नहीं देगा।
7. कर्म → असफल होने नहीं देगा।

NAME - VINITA KUMARI  
CLASS - B.Ed 1<sup>st</sup> year  
Roll No - 125 E

# GYAN DARPAN

## One By One You'll Get Things Done

### GYAN DARPAN

The path of knowledge is the path of light, and the path of ignorance is the path of darkness.

Knowledge without action is like a tree without fruit, it serves no purpose until it is shared.

Name :- Kumari Shreyas  
Class :- B.Ed  
Sec :- 'A'  
Roll :- 36

There is a simple mantra that will help to empower you when it comes to making positive changes in your life - as well as supporting you in being consistent with your growth, goals and healing, it is simply "one by one, I'll get things done". That mantra, when put into practice will help to ground you, encouraging you to focus upon the present moment and what you can do now to be great.

Name - Pragya Kumari  
Roll no - 27 'A'  
B.Ed.



ज्ञान दर्पण एक ऐसा दर्पण है जिसमें अनेक मध्यमिक विषय प्रतिबिम्बित होते हैं। यह शब्द दो शब्दों से बना है ज्ञान और दर्पण। ज्ञान का अर्थ ज्ञान को संरक्षित ढंग से विकसित करना है। ज्ञान एक विशेष तकनीक है जो विभिन्न संसाधनों का उपयोग करके ज्ञान को विकसित करने के लिए किया जाता है। दर्पण का अर्थ है प्रतिबिम्ब।

ज्ञान दर्पण का अर्थ — ज्ञान दर्पण का वास्तविक अर्थ है ज्ञान आत्म का एक दर्पण जो हमारे वास्तविक रूप का परस्पर करता है। दर्पण में सभी पदार्थ प्रतिबिम्बित होते हैं, दर्पण का प्रयोग स्वयं को देखने के लिए किया जाता है, ज्ञान दर्पण में स्वयं को देखने, जानने अपने ज्ञानोपयोग का उपयोग स्वयं को जानने — पहचानने में सहायक करना चाहिए।

ज्ञान दर्पण में हमें प्रतिदिन स्वयं को, अपनी आत्मा को निखारना होता है। ज्ञान दर्पण का वास्तविक अर्थ आत्मविकास है। ज्ञान दर्पण हमें आत्मविकास की प्रेरणा देता है। यह केवल बाहरी ज्ञान नहीं होता बल्कि यह गहरे आत्मबोध का प्रतीक है जो अक्सर प्रदान करता है। ज्ञान दर्पण को देखने से देखने वालों की बुद्धि निर्मल और उनकी बुद्धि का भरण स्वभाव में होता है। ज्ञान दर्पण में हम अपने आत्म स्वभाव को पहचानते हैं और अपने जीवन के उद्देश्य को सही रूप से समझ पाते हैं। ज्ञान दर्पण का मूल उद्देश्य व्यक्ति को अपने अस्तित्व एवं व्यक्तित्व को जानने एवं विकास करने की विधि का ज्ञान है।

Name - Sweety Kumari  
Roll no - 21  
Sec - 'A'

## ज्ञान दर्पण

हों मैं एक तारा हूँ  
जगमग करता नभ में दिखता  
सबको थूँ आकर्षित करता  
हों मैं एक तारा हूँ।

सूरज की वस एक किरण से  
जीवन में विश्वास मिले  
लाखों जन में जागे आशा  
और सबमें उल्लास भरे।

Name - Sweety Tiwary  
Class - B.Ed  
Roll - 107  
Sec - 'C'

## ज्ञान दर्पण

हों मैं एक तारा हूँ  
जगमग करता नभ में दिखता  
सबको थूँ आकर्षित करता  
हों मैं एक तारा हूँ

सूरज की वस एक किरण से  
जीवन में विश्वास मिले  
लाखों जन में जागे आशा  
और सबमें उल्लास भरे

Name - Shubhangi  
BEd Sem-1 Se

## ज्ञान दर्पण

ज्ञान दर्पण एक हिन्दी शब्द है, जिसका अर्थ है "ज्ञान का दर्पण" या "ज्ञान का प्रतिबिम्ब"। जो व्यक्ति के जीवन में नई दिशा और समझ लाने का कार्य करता है। ज्ञान एक अमूल्य सम्पत्ति है जो हमें न केवल सही और गलत का भेद समझने में सहायता करता है, बल्कि समाज और दुनिया के प्रति हमारी सोच को भी व्यापक बनाता है। यह अक्सर उस माध्यम को दर्शन के लिए प्रयोग किया जाता है, जिसके द्वारा ज्ञान या शिक्षा या जानकारी को प्रस्तुत किया जाता है। यह एक पत्रिका, पुस्तक या किसी प्रकार का शिक्षाप्रद दस्तावेज हो सकता है, जो विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान करता है। जिसमें हम समाज में अपनी भूमिका को बेहतर ढंग से निभा सकते हैं। ज्ञान का दर्पण व्यक्ति और समाज दोनों के लिए अनमोल है। जो सामान्य ज्ञान, प्रतिगोपी परीक्षाओं की तैयारी प्रेरणादायक लेख और अन्य शैक्षिक सामग्री प्रदान करते हैं। इस प्रकार "ज्ञान का दर्पण" एक ऐसा माध्यम है, जो हमें जीवन के हर मोड़ पर सही निर्णय लेने और समाज में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रेरित करता है।

NAME - SANTOSH KUMAR  
SOREN

CLASS - B. Ed in

Session - 2024-26

Roll - No - 16



# Gyan-Darpan

"The mirror of Knowledge reflects our understanding of the Universe and Our place within it."

NAME-Kumari Raj Nandini

B.Ed - Sec 'A'

Roll No. - 07

Session-2024-26

## KNOWLEDGE IS POWER

"The more you know, the more you grow."

Knowledge is one of the most powerful tools we have in life. It helps us understand the world, solve problems, and make better decisions. The famous saying "Knowledge is power" means that having knowledge gives us the ability to achieve great things. Knowledge is important in many areas of life. It helps us in school, work and personal relationships. Without knowledge, it is difficult to succeed and make good choices. Learning new things gives us confidence and opens us many opportunities. With knowledge, we can overcome obstacles and achieve our goals. Education is the key to getting a good and having a successful career. Knowledge allows us to understand and appreciate different cultures, languages, and ideas. It helps us connect with others and builds meaningful relationships.

Knowledge is indeed power. By learning new things and gaining knowledge, we can improve our lives and achieve great things.

Sunita Tudu  
B.Ed 1st Sem  
Roll no. - 195  
2024-26

## ज्ञान दर्पण

अज्ञान ईश्वर का अभिशाप है; ज्ञान वह परब है जो इसे उड़ाकर बरकत फैलाता है।

अनेक वस्तुओं के अंधरे ज्ञान की अपेक्षा कुछ न जानना अच्छा होता है।

जीवन में कठोर तपस्या के द्वारा ज्ञान की प्राप्ति संभव है।

मूर्ख गाली का अबाध गाली में डूबे हैं, जबकि ज्ञानी मौन धारण की।

ज्ञान से अधिक पवित्रता देने वाली कोई वस्तु महात्मान ने नहीं बनाई है।

इस संसार में मनुष्य ज्ञान के द्वारा ही नाम, शौहरत, पैसा प्राप्त कर पाता है।

Name - SONI KISHU

Roll no. - 80 'B'

Class - B.Ed (Sem-I)

## ज्ञान दर्पण

हर किसी के लिये  
खुली किताब ना बनो।

समय व्यतीत का दौर है  
पढ़ कर फैंक  
फिर जाओगे...

NAME-SULEKHA  
KUMARI  
CLASS-B.ED(CEM-1)  
Roll No:-108'C'





हैं मैं एक तारा हूँ  
जगमग करता, नभ में दिखता  
सबकी यूँ आकर्षित करता  
हैं मैं एक तारा हूँ।

श्रृंखला की जस एक किरण से  
जीवन में विश्वास मिले  
लाखों जन में जागी आशा  
और सबमें उल्लास भरे।

Name - Sushmita Kumari  
Roll - 186  
Class - B.Ed  
Sec. - 'D'

ज्ञान दर्पण

Take up one idea.  
Make that one idea your  
life think of it,  
dream of it, live  
on that idea.  
Let the brain, muscles,  
nerves, every part of your  
body, be full of that idea,  
and just leave every other  
idea alone. This is the  
way to success...

Name => Abhaya Khawaze  
Sem. => I  
Class => B.Ed "D"  
Roll no. => 159  
2024-26

ज्ञान से ही विकास,  
ज्ञान से ही प्रकाश

ज्ञान का दीपक जलाओ  
अंधकार को दूर

भगाओ

नाम - रेखा रानी किस्कू  
Roll - 63  
B.Ed - Sem I  
Session - 2024-26



जिसो जंगल में एक छोर रहता था।  
गहिरा के कारण जंगल में पानी सूखता  
जा रहा था। एक पक्षर में थोड़ा पानी  
देखकर और वहाँ पहुँचा। अभी एक सूखर  
भी वहाँ पानी ढूँढ़ता हुआ आ गया।

दोनों में पानी कौन पीयेगा इस बात  
को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। लड़ाई  
धरावरी पर थी। खास से दोनों बेहाल थे।

अचानक उन्होंने आसमान में बहुत सारे गिद्ध  
उड़ते देखे। गिद्धों ने सोचा, "भच्छा है, लड़  
ले दोनों ... कोई तो मरेगा ही फिर सच्चा भाएगा  
भमकर भाव हमारी दावत होगी।" गिद्धों को  
ऊपर मंडराते देखकर और और सूखर ने अपनी  
लड़ाई रोक दी। उन्हें साझा समझ में आ गया था।  
और ने सूखर से कहा, यदि हम लोग इसी तरह लड़ेंगे  
तो अकस्मात ही लड़ते-लड़ते मर जाएंगे और गिद्धों की  
दावत खाने का अवसर मिल जाएगा। उनका भीषण बनने  
की जगह मिलता करने में ही हमारी भलाई है..."  
और फिर दोनों ने साथ में पानी पी लिया।

Sangeeta Sojan  
Roll no. 190 B-20  
2024-2026



## ज्ञान दर्पण

!! सर्व ज्ञानं मयि विद्यते !!

"All that I have to learn is within  
me"

सम्पूर्ण ज्ञान हमारे अंदर ही है।

Name- Sneha Jha  
Roll no- 59. Sec-B

## ज्ञान दर्पण

ज्ञान का दर्पण, जगमगाता,  
सत्य का चिराग, हर दिल को सुलगाता।  
हर ज्ञान की बुंद, अनमोल है,  
अंधकार में प्रकाश, आत्मा को तेल है।

शिक्षा की रश्मि, बिखेरती सौंदर्य,  
इतिहास की सुन, समर्पित सौगंध।  
हर पाठ में छिपा, एक नया स्फुर,   
ज्ञान के संग हम, बढ़ते हैं नगर।

आओ मिलकर, ज्ञान का दीप जलाएं,  
सभी को राह दिखाएं, नए पंख लगाएं।  
ज्ञान दर्पण में, हम सब हैं समान,  
साझा करें विचार, बने एक नया आसमान।



Sujata Kumari  
Roll no. 118  
Section - C  
(B. Ed 1<sup>st</sup> sem)



## Gyan Daxpan

The Only Person  
who is educated  
is one who has  
Learned how to  
Learn and Change.

Name → Namita Soren

Class → B.Ed (Sem I)

Roll No → 50

Sec → 14

2024-26

## ज्ञान दर्पण

जैसा मन वैसा मनुज दर्पण यह संसार  
अपना ही छवि देखा इस से बारंबार  
करुणा तो अपचार है अति आपुणता रोग  
कहतै भिसे विवेक बुद्धि भाषना रोग  
तुलना मत कर किसी से तुलना करना पाप  
संस्कार सबके अलग, अलग सखा का आप  
आपुणता संवेदना करती है मुक्तान  
इस युग में तो सफल है पथर दिल इंसान

Name - Aarti kumari

class - B.Ed (Sem-1) Sec.-D

Roll No. - 166 (2024-2026)

## ज्ञान दर्पण

ज्ञान धन से  
ज्यादा श्रेष्ठ होता है,  
क्योंकि धन की रक्षा  
हमें करनी होती है  
और ज्ञान हमारी  
रक्षा करता है।

नाम - सुशान्ती मरांडी

कक्षा - बी.एस. सेम-1

क्रमांक - 146

सत्र - 2024-26

## ज्ञान दर्पण

आज मुझे ऐसा लग रहा है,  
आज मैं एक चिड़िया बन जाऊ तो  
अपने सारे पंख फैलाकर बादलों में मैं  
कहीं छुप जाऊँगी तो।

काले बादलों में छुप कर मैं  
ऊपर से नीचे चूपके से देख पाऊँ  
कोई अगर नीचे दोस्त हो मेरा,  
तो उसपर नीचे बारिश पानी  
बरसाऊँ तो।

Name - Sonali Kumari Rawani

Class - B.Ed Sem I 'D'

Roll no - 165

2024-26





ज्ञान समावेश  
 “आपको सतह से परे देखने,  
 अस्तित्व की गहराई को  
 समझने की शक्ति देता है।”

केवल जानकारी  
 की तलाश मत करो ;  
 समझ की तलाश करो।  
 ज्ञान समावेश जानकारी  
 को वास्तविकता में  
 बदलने की फला है।

Name: Sujata Kumari.  
 Roll no: 118.  
 Section: 'C'.

### ज्ञान कर्पण

ज्ञान वह प्रकाश है जो अज्ञान के अंधकार को दूर करता है। यह हमें सही और गलत के बीच का अंतर समझने की शक्ति देता है। ज्ञान से मनुष्य अपने जीवन में आत्मनिर्भर बनता है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता प्राप्त करता है। किसी भी समाज की उन्नति और विकास के लिए ज्ञान आवश्यक है। क्योंकि यह समाज को जागरूक, शक्ति और प्रगतिशील बनाता है।

ज्ञान प्राप्त करने के कई माध्यम हैं, जैसे कि पुस्तकें, विज्ञान, कला, समाज, स्वयं का अनुभव आदि इन सबके अतिरिक्त आज आधुनिक युग में इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों ने ज्ञान के प्रसार को और भी सरल बना दिया है, लेकिन इसका सही और विविध उपयोग भी आवश्यक है।

नाम :- आलोक का.  
 रोल नं :- 29  
 सेक्शन :- "A"





Bhawani  
Sec - C  
Roll no - 120

## Cyan - Darpan

“ Knowledge is power  
Information is liberating  
Education is the Promise  
Of Progress in every  
Society, in every family ”

“ Education is not only a ladder  
Of Opportunity, but it is also  
an investment in our Future. ”

Name - Rashmi Kumari  
Roll no. 20  
Section - 'A'



# Acknowledgement

Bindu Kisku

Eva Anjali Bessra

Priti Poonam Hembram

Mamashree Layek

Kanak Nandani

Komal Rani

Aishwarya Raj

Riya Kumari

Date : 23/12/2024



*Thank you*

